ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्
साप्ताहिक
आर्य सन्देश
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

त्वमस्माकं तव स्मसि। ऋग्वेद 8/92/32
हे प्रभो! तू हमारा है और हम तेरे हैं।
O God! You are our all in all & we are your divine children, you are ours and we are yours.

वर्ष 36, अंक 41 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 2 सितम्बर, 2013 से रविवार 8 सितम्बर, 2013 तक
विक्रमी सम्वत् 2070 सृष्टि सम्वत् 1960853114
दयानन्दाब्द : 189 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.orgèaryasandesh

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली की

विशेष गोष्ठी एवं अन्तरंग सभा बैठक सम्पन्न : ऐतिहासिक बैठक में हुए कई ऐतिहासिक निर्णय

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में समस्त आर्यजनों द्वारा स्वीकृत विराट एवं बहु प्रतीक्षित

आर्यसमाज का अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण एवं शोध केन्द्र बनाने का प्रस्ताव पारित

पूर्ण प्रस्ताव तैयार करने के लिए समिति का गठन

आर्यसमाज के विस्तार के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा : आचार्य बलदेव

आर्यसमाज की दीर्घकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, आर्य समाज के उपयोग में आने वाले मानव संसाधन को प्रशिक्षित करने के साथ-साथ आर्य समाज से सम्बन्ध रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति की प्रचार सम्बन्धी, संगठन सम्बन्धी, रिकार्ड सम्बन्धी समस्त आवश्यकताओं को एक ही स्थान पर परिपूर्ण करने हेतु बहु-विचारित योजना अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2012 में लाखों की संख्या में आर्यजनों के बीच में प्रस्तावित बहुउद्देशीय केन्द्र की स्थापना करने का संकल्प सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की ऐतिहासिक गुरुकुल कांगडी में सम्पन्न बैठक में एक प्रस्ताव द्वारा स्वीकृत किया गया। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की दो दिन चली विचार गोष्ठी एवं अन्तरंग बैठक सभा में इसके सम्बन्ध में व्यापक चर्चा हुई। सभी सदस्यों ने इस प्रस्ताव के सम्बन्ध में अपने-अपने सुझाव एवं विचार रखे। मूल प्रस्ताव जोकि सार्वदेशिक सभा द्वारा पूर्व बनाई गई एक समिति द्वारा प्रस्तुत किया गया था। जिसकी दो दिन की बैठक इसी सम्बन्ध में इन्दौर में सम्पन्न हुई थी, के

- शेष पृष्ठ 6 पर

वर्तमान चुनौतियों से निबटने में कारगर साबित होगा यह केन्द्र : महाशय धर्मपाल

देश विदेश के आर्यों की आशाओं को पूर्ण करने का केन्द्र होगा यह संस्थान

समस्त प्रतिनिधियों ने इसे बताया ऐतिहासिक प्रस्ताव

सार्वदेशिक सभा का निर्णय : उत्तराखण्ड त्रासदी प्रभावित क्षेत्र गुप्तकाशी में असहाय बच्चों के लिए

आर्यसमाज बनाएगा छात्रावास एवं विद्यालय

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड एवं सार्वदेशिक सभा की संयुक्त समिति का गठन

आरम्भ एक करोड का करेंगे प्रावधान : आर्यसमाजों से सहयोग की अपील

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की अन्तरंग सभा बैठक में सर्व-सम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि उतराखंड आपदा पीड़ित क्षेत्र में आर्य समाज की ओर से गरीब, असहाय एवं अनाथ बच्चों के लिये एक छात्रावास स्थापित किया जाये जिसमें उन बच्चों के भोजन और आवास की व्यवस्था की जाये। साथ ही उनके पढ़ने के लिये विद्यालय की भी स्थापना की जाये। सभा में उपस्थित उत्तराखंड आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री हजारीलाल अग्रवाल जी, छाया प्रधान श्री देवराज आर्य जी, वरिष्ठ उप प्रधान डा. विनय विद्यालंकार जी ने संयुक्त रूप से सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा लिये गये इस निर्णय का अपनी सभा की ओर से स्वागत किया तथा इसे राहत कार्यों में आर्य समाज की ओर से उठाया गया एक विशिष्ट कदम बतलाया। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के मंत्री श्री प्रकाश आर्य जी ने समस्त देश-विदेश की आर्य समाजों को आह्वान किया कि इस आपदा पीड़ित क्षेत्र में खुलने वाले विद्यालय और छात्रावास के लिये भरपूर मात्रा में सहयोग प्रदान करें।

दिल्ली सभा के प्रधान श्री ब्र. राजसिंह आर्य जी, वरिष्ठ उप प्रधान श्री

- शेष पृष्ठ 6 पर

दिल्ली देहात के औचन्दी ग्राम में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा संचालित

दीवानचन्द स्मारक गोकुल चन्द आर्य धर्मार्थ चिकित्सालय, औचन्दी

निर्माण के दो चरण पूर्ण होने पर

उद्घाटन समारोह | **ग्रामीण क्षेत्रीय आर्य सम्मेलन** | **तृतीय चरण की आधारशिला**

रविवार 15 सितम्बर, 2013 प्रात: 10 बजे से 2 बजे तक यज्ञ : प्रात: 10 बजे

★ उद्घाटन : महाशय धर्मपाल जी ★ मुख्य अतिथि : श्री राजेन्द्र गुप्ता जी

★ इस अवसर पर चिकित्सालय निर्माण में विशेष सहयोग देने वाले महानुभावों का सम्मान किया जाएगा ★

आर्यजन अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। कृपया कार्यक्रम के उपरान्त प्रीतिभोज अवश्य ग्रहण करें

संयोजक : मा. गंगाराम (प्रधान), महेन्द्र सिंह आर्य (मन्त्री) एवं आर्यसमाज औचन्दी के समस्त अधिकारी एवं सदस्यगण

वेद-स्वाध्याय

हे आत्मन् मृत्यु से भयभीत मत हो

- स्वामी देवव्रत सरस्वती

एहि मनुर्देवयुर्यज्ञकामोऽरंकृत्या तमसि क्षेष्यग्ने। सुगान्पथः कृणुहि देवयानान्वह हव्यानि सुमनस्यमानः।। ऋग्वेद 10/51/5

अर्थ—**(अग्ने)** हे आत्मन्! **(तमसि क्षेषि)** तू अज्ञानान्धकार में निवास करता है, इस कारण मृत्यु से भयभीत हो रहा है। **(मनुः)** मननशील, **(देवयुः)** दिव्य गुणों की कामना वाला होकर **(यज्ञकामः)** अध्यात्म यज्ञ की कामना करता हुआ **(अरङ्कृत्य)** अपने को सुसज्जित कर **(एहि)** आओ **(देवयानान् पथः)** देवयान के मार्ग को **(सुगान् कृणुहि)** सरलता से जिस पर चल सकें ऐसा, सुखप्रद बनाओ। **(सुमनस्यमानः)** और प्रसन्नचित्त हो **(हव्यानि वह)** परमात्मा के प्रति स्तुति, प्रार्थना, उपासना को प्रेरित करो।

मृत्यु से भयभीत जन को प्रभु आश्वासन देते हुये कह रहे हैं—हे (अग्ने) आत्मन्! तू **तमसि क्षेषि** अज्ञान अन्धकार में निवास करने के कारण भयभीत हो रहा है। अन्धकार में ही भय लगता है क्योंकि मार्ग दिखाई नहीं देता। कहीं पर हिंसक प्राणी—सिंह, वृक, सर्प और कही पर गड्ढे, पानी, कण्टक, दीवार आदि पग-पग पर बाधक बन प्राणों को संकट में डाल देते हैं। तमोगुण के कारण तेरी बुद्धि पर अज्ञान का परदा छा गया है जिसके कारण तू किं कर्त्तव्यविमूढ हो भयभीत हो रहा है। जिस मार्ग पर तू चल रहा है वह पितृयाण या **जायस्व-म्रियस्व** अर्थात् जन्म-मृत्यु वाला होने से तुझे भयदायक प्रतीत हो रहा है।

इस मार्ग से सुरक्षित बच निकलने का एक ही उपाय है। तू इस पथ को छोड़कर देवयान का पथिक बन **सुगान् पथः कृणुहि देवयानान्** जिस पथ से विद्वान् जाते हैं वही पथ सुगम है, जिसमें अन्धकार, भय या विघ्न-बाधायें नहीं हैं और जो मुक्ति को प्राप्त कराने वाला है।

इस पथ का पथिक बनने के लिये तुझ में चार गुण होने चाहियें—

१. मनुः मन अवबोधने से मनु या मनुष्य शब्द की निष्पत्ति होती है। वेद कहता है—**मनुर्भव** अर्थात् सोच समझ कर कार्य करने वाला और ज्ञानयुक्त बन। मनुष्य और पशु में यही तो अन्तर है कि जो अच्छा-बुरा विचार कर भद्र, सुखकारक का ग्रहण और दुरित, दुर्गुण, दुर्व्यसनों का परित्याग करे वह मनुष्य कहलाने का अधिकारी है। जो अपने स्वार्थ में प्रवृत्त हो या पशु जैसे रस्सी से बंधा होता है वैसे ही जो इन्द्रियों का दास है वह पशु सदृश ही जानना चाहिये। मनुष्य को बुद्धि दी गई है इसलिये उसे यह चिन्तन करना चाहिये कि मैं इस संसार में किसलिये आया हूँ। मेरे साथ अन्त में क्या जाने वाला है। मैं जो कार्य कर रहा हूँ वह मुझे क्या आत्मकल्याण की ओर ले जायेगा अथवा जन्म-मरण के बन्धन में डालेगा। इस प्रकार चिन्तन करने और असत् का त्याग और सत्य का ग्रहण करने से ही तत्त्वज्ञान की प्राप्ति होगी।

२. देवयुः—तू दिव्य गुणों की कामना वाला हो। अपना पेट तो पशु भी भरते हैं। तुझे ज्ञान-नेत्र दिये है जिनसे **आत्मवत् सर्वभूतेषु** अर्थात् सबको अपनी आत्मा के समान समझना कि जैसा सुख-दुःख मुझे होता है, वैसी ही दूसरों को भी सुख-दुःख की प्रतीति होती है। इस दर्शन से नेत्र दिव्यदर्शन वाले हो जाते हैं। ऐसे ही प्रभुभक्ति, कीर्तन का श्रवण, दूसरों की निन्दा न करना, न सुनना और अपने लिये हितकर उपदेश का श्रवण करने से कान पवित्र होते हैं। मुख से सत्य, मधुर, परोपकारक वचन, ईश्वर का गुणगान, विद्यादान से वाणी पवित्र होती है। हाथों से सेवा, दान और किसी की रक्षा करना और उत्तम कर्म करने हेतु दौड़ना, निर्बलों की रक्षा, धर्मकार्यों में गतिशील रहने से पैर पवित्र हो जाते हैं। हे मानव! तू सर्वप्रथम अपने मन, बुद्धि और इन्द्रियों को देवत्व से युक्त कर।

३. यज्ञकामः—निष्काम कर्मों का करना यज्ञ कहलाता है। जैसे घृत-सामग्री, समिधा द्वारा जनहित की भावना से यज्ञ किया जाता है और इदं न मम कह कर आहुति दी जाती है वैसे ही कर्त्तव्य भाव से निष्काम कर्मों को करने की कामना देवयान के पथिक को करनी चाहिये। परोपकारक, श्रेष्ठ कर्मों को करना ही यज्ञ है। भौतिक अग्नि में दी गई आहुतियाँ भी इसी भाव को प्रकट कर रही हैं।

४. अरंकृत्य—कहीं पर जाने के लिये जैसे वस्त्रादि से सुभूषित हो अन्य आवश्यक सामान को पहले ही सुसज्जित कर लिया जाता है वैसे ही देवयान के पथ पर चलने के लिये राग-द्वेष, काम-क्रोधादि को छोड़ सत्य, अहिंसा, संयम, सदाचारादि गुणों से अपने आपको सन्नद्ध करना होगा। इन चार गुणों को धारण कर तू **एहि** अर्थात् देवयान का पथिक बन।

सुगान् पथः कृणुहि—अब देवयान के पथ पर चलना तेरे लिये सुगम हो जायेगा। तप, श्रद्धा, शान्त स्वभाव और भिक्षा के समान शरीर को धारण करने के लिये खाना, न कि खाने के लिये जीना, ये गुण देवयान के पथिक में और होने चाहियें। यह मार्ग सूर्यद्वार अर्थात् मृत्यु के समय तुझे सहस्रार चक्र से इस शरीर से बाहर निकाल अमर पद मोक्ष को प्राप्त करायेगा इसमें सन्देह नहीं।

याद रखो, देवयान के मार्ग में श्रद्धा परम सहयोगिनी है। वह साधक की माता के समान रक्षा करती है। हे साधक! तू **वह हव्यानि सुमनस्य मानः** प्रसन्नचित्त हो श्रद्धापूर्वक उस ईश्वर की स्तुति, प्रार्थना, उपासना करते रहना। जैसे भूखे व्यक्ति को भोजन के अतिरिक्त कुछ भी अच्छा नहीं लगता वैसे ही प्रभु भक्त को ये सांसारिक विषय बहुत ही हेय अर्थात् दुःख रूप ही प्रतीत होते हैं और वह इनसे विरक्त हो अभ्यास अर्थात् प्रभु के ध्यान में ही तल्लीन रहता है। उसकी समस्त क्रियायें ईश्वरार्पित हो जाती हैं। ईश्वर प्रणिधान से ईश्वर उस उपासक पर अनुकम्पा करता है। यह मार्ग ही देवयान की ओर जाने वाला है। **यस्यच्छायामृतं यस्य मृत्युः** उस प्रभु का आश्रय ही मोक्ष और उससे पृथक् प्रकृति की उपासना करना, भोगों में आसक्त रहना ही मृत्यु अर्थात् जन्म-मरण का हेतु है। मृत्यु भय और मोक्ष अभय का देने वाला है।

- क्रमशः

"शत हस्त समाहर सहस्त्र हस्त सं किर"
"सौ हाथों से कमाओ हजार हाथों से दान करो"

पीड़ितों की सेवा ही हम सबका राष्ट्रीय एवं धार्मिक कर्त्तव्य

आर्यजन दिल खोलकर दान दें

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर उत्तराखण्ड बाढ़ पीड़ितों सहायतार्थ दान की अपील पर प्राप्त दान की सूची

गतांक से आगे -

513 आर्यसमाज दिलशाद गार्डन 51000
514 आर्यसमाज मानसरोवर पार्क 2100
515 जगदीश प्र.शर्मा, मानसरोवर पार्क 1100
516 आर्यसमाज पंचदीप 11000
517 एस. के. पसरीचा, केशवपुरम् 1100
518 आर्यसमाज एल ब्लाक आनन्द विहार हरि नगर, न.दि. 7000
519 प्रियंका खत्री, जनकपुरी 1200
520 राजकुमार श्रीवास्तव (रांची) 1000
521 सत्यदेव गुप्ता, कृष्ण नगर 1100
522 डॉ. धर्मवीर वर्मा, शिवपुरी 1100
523 रामभज मदान, राजा गार्डन 5001
524 श्रीमती शांता जौली, प. विहार 5000
525 डॉ. सुशील कुमार, शिवपुरी 1100
आर्यसमाज सरस्वती विहार दिल्ली द्वारा एकत्र
526 देवराज डारा 500
527 श्रीमती हर्ष आर्या 500
528 हंस जी 500
529 आनन्द शर्मा 1000
530 श्रीमती सरला अग्रवाल 500
531 रणवीर सिंह डबास 2100
532 स्त्री आर्यसमाज सरस्वती वि. 6500
533 ईश्वर दास 501
534 नितिन दुआ 1000
535 ओम प्रकाश आर्य 1000
536 श्रीमती शर्मिला तनेजा 5000
537 ब्रह्मदेव बतरा 1000
538 श्रीमती शकुन्तला बजाज 1100
539 श्रीमती कृष्ण कुमारी 500
540 श्रीमती उर्मिल गुप्ता 500
541 श्रीमती चन्द्रवती माताजी 500
542 बिशनदास गम्भीर 3100
543 श्रीमती विमला कौशिक 500
544 गुप्तदान 2500
545 विनय भूषण गुप्ता 500
546 कृष्ण चन्द्र गुगलानी 1100
547 श्रीमती ओमवती गुप्ता 1500
548 प्रेम कुमार गुप्ता 1100
549 श्रीमती कान्ता भाटिया 1000
550 चन्द्रभान गुप्ता 2100
551 प्रेम प्रकाश कोहली 500
552 हरभगवान डूंगा 500
553 सुभाष क्वात्रा 1000
554 रूप किशोर 500
555 सुशील प्रतिभानन्द 1000
556 श्रीमती सन्तोष भाटिया 500
557 धर्मपाल वर्मा 500
558 श्रीमती विद्यावती बंसल 500
559 श्रीमती सरस्वती देवी 500
560 श्रीमती मिथलेश गोयल 500
561 तिलकराज 500
562 श्रीमती कान्तापाल 500
563 जगन्नाथ ढींगरा 500
564 सोमनाथ चावला 1000
565 यशपाल गुलाटी 1100
566 श्रीमती विजय कटारिया 500
567 श्रीमती राज मित्तल 500
568 माता कमला स्मारक ट्रस्ट 500
569 श्रीमती मधुमती सूद 5100
570 श्रीमती शशि प्रभा 500
571 रामलाल वर्मा 1000
572 श्रीमती सुषमा गिरधर 1100
573 भीमसेन 500
574 श्री बंसल जी (दीपाली) 500
575 सुनील भल्ला 500
576 ठाकुर दास 500
577 पी. सी. कनौजिया 500
578 यशपाल दुआ 500
579 श्रीमती रेखा /नन्दकिशोर गुप्ता 5100
580 श्रीमती सुषमा गुप्ता, हरि नगर 2000
581 आर्यसमाज अमर कालोनी 25000
582 श्रीमद्दयानन्द सत्यार्थ प्रकाश न्यास, उदयपुर (राज.) 10000
583 आर्य प्रतिनिधि सभा महाराष्ट्र 11000
584 श्रीमती रजनी गर्ग, कैथल 500
585 धर्मवीर आर्य, कैथल 500

- क्रमशः

इस मद में दान देने वाले दानी महानुभावों के नाम इसी प्रकार आर्य सन्देश के आगामी अंकों में भी प्रकाशित किये जाएंगे। – *महामन्त्री*

गुरुकुल कांगड़ी एवं इससे सम्बन्धित संस्थाओं की संचालक सभा आर्य विद्या सभा गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार के प्रधान बनने के बाद पहली बार गुरुकुल की भूमि पर पधारने पर महाशय धर्मपाल जी एवं सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान आचार्य बलदेव जी का गुरुकुल परिवार की ओर से हार्दिक स्वागत

गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार में हुई बैठकें

सार्वदेशिक सभा की अन्तरंग बैठक का दृश्य

लगभग 5 माह बाद पुनः खुलने पर गुरुकुल के आर्यसमाज मन्दिर में हुआ यज्ञ

अब प्रति सप्ताह होगा यज्ञ का आयोजन – डॉ. सुरेन्द्र कुमार, कुलपति

यज्ञमान के रूप में बैठे कुपति डॉ. सुरेन्द्र कुमार, सभा प्रधान ब्र. राजसिंह अर्य, धर्मपाल आर्य, आचार्य यशपाल। प्रवचन देते सार्वदेशिक सभा के प्रधान आचार्य बलदेव जी, स्वामी धर्मानन्द जी एवं कुलपति डॉ. सुरेन्द्र कुमार जी।

नए पदाधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने के बाद पहली बार गुरुकुल कांगड़ी में पधारने पर गुरुकुल परिवार की ओर से दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, हरियाणा आर्य प्रतिनिधि सभा एवं सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रस्तुत प्रस्ताव पर सब ने अपने-अपने सुझाव रखे तथा इस बात पर सभी लोग एकमत थे कि यह प्रशिक्षण केन्द्र आर्य समाज की आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा इसे जितना जल्दी हो सके उतना जल्दी आरंभ किया जाये। बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति देने के साथ-साथ एक ऐसी समीति के गठन का प्रस्ताव भी सभा मंत्री श्री प्रकाश आर्य जी की तरफ से प्रस्तुत किया गया कि इस कार्य को आगे बढ़ाने हेतु विस्तृत प्रस्ताव, कार्य विवरण, उपयोगिता, आवश्यकता, संभावित लाभ तथा इस वृहद योजना के संचालन के सम्बन्ध में अपने अन्तिम सुझाव तथा इसके निर्माण के स्थान आदि के सम्बन्ध में अन्तिम प्रस्ताव करने हेतु एक समिति का गठन किया जाये। यह समिति 2 महीनों के अन्दर अन्तिम प्रस्ताव प्रस्तुत करेगी। सभा प्रधान आचार्य बलदेव जी ने इस निमित्त बनने वाली इस समिति के अध्यक्ष के रूप में महाशय धर्मपाल जी से अनुरोध किया कि वे इसकी अध्यक्षता स्वीकार करे। महाशय धर्मपाल जी ने इस सम्बन्ध में अपनी बात रखते हुये कहा कि मै बहुत लम्बे समय से ऐसे प्रशिक्षण केन्द्र की बात को विचारता रहा हूं तथा इसके शीघ्र निर्माण हो, इसके लिये सभा अधिकारियों को प्रेरणा भी देता रहा हूं। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की कि आप सब ने इसकी जरूरत को महसूस करते हुए इसके निर्माण के लिये जो प्रस्ताव पास किया गया, यह निश्चय ही आर्य समाज के इतिहास के लिए एक बड़ा कदम होगा। मै इसके लिये आप सभी को शुभकामनायें देता हूं। तथा इसकी बनने वाली प्रस्ताव समिति की अध्यक्षता स्वीकार की। सभा के उपप्रधान श्री सुरेश अग्रवाल जी, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के वरिष्ठ उप प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने इस कार्य के आरम्भ करने के लिये एक व्यवस्थित राशि देने का आश्वासन दिया। उड़ीसा आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी धर्मानन्द सरस्वती जी ने पूरी योजना को सुनकर के यह कहा कि यह योजना वास्तव मे अनूठी है तथा आर्य समाज के भविष्य के लिये "**मील का पत्थर**" साबित होगी। उन्होंने इस कार्य के लिए लिए प्रेरणा एवं सुझाव देते हुए अपना आशीर्वाद प्रदान किया। बिहार सभा के मंत्री श्री रामेन्द्र गुप्ता जी, महाराष्ट्र के श्री ब्रह्ममुनि जी, श्री दयाराम बसैये, झारखण्ड प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री भारत भूषण त्रिपाठी जी, छत्तीसगढ़ के प्रधान श्री आचार्य अंशु देव, आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के प्रधान श्री देवेन्द्र पाल वर्मा, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा सभा के प्रधान आचार्य विजयपाल जी, उत्तराखण्ड आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री हजारीलाल अग्रवाल जी आदि सभी ने आर्य समाज के ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए इसमें हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

आर्यसमाज बनाएगा .....

धर्मपाल आर्य जी, गुजरात सभा के प्रधान श्री सुरेश चन्द्र अग्रवाल जी तथा बैठक में मौजूद अन्य सभी प्रान्तों से पधारे पदाधिकारी महानुभावों ने सभा की ओर से लिये गये इस निर्णय की सराहना करने के साथ-साथ इसमे भरपूर सहयोग देने का आश्वासन दिया। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कुलपति श्री डा. सुरेन्द्र कुमार जी ने गुरुकुल की ओर से इस कार्य में भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में विशेष रूप से उपस्थित आर्य नेता महाशय धर्मपाल जी ने भी इस कार्य के प्रति प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि ऐसी आपदा से हज़ारो लोग बेघर तथा बेरोजगार हो गये हैं। यदि हम उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा दे सकें तो यह सबसे बड़ा परोपकार का कार्य होगा। उन्होंने भी अपना आशीर्वाद इस सम्बन्ध में देने का आश्वासन दिया। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा प्रधान पूज्य आचार्य बलदेव जी ने इस कार्य को शीघ्र आरंभ करने की आवश्यकता बताई तथा इस हेतु जमीन लेने का कार्य एक मास में पूरा कर लिया जाएगा, ऐसी आशा व्यक्त की। आरंभिक लक्ष्य एक करोड़ रुपए रखा गया।

दैनिक याज्ञिकों/आर्यसमाजों के लिए खुशखबरी

MDH हवन सामग्री

मात्र 70/– किलो (5,10,20 किलो की पैकिंग)

प्राप्ति स्थान **दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा**
15 हनुमान रोड, नई दिल्ली - 110001, दूरभाष - 23360150

उत्तराखण्ड बाढ़ पीड़ितों की सहायतार्थ तन-मन-धन से सहयोग करें आर्यजन

दानी सज्जन अपनी दान राशि निम्न बैंक खातों में जमा कराएं

'सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा' - खाता सं. 09481000000276
पंजाब एंड सिंध बैंक, IFSC - PSIB 0020948 MICR - 110023121

'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा' - खाता सं. 1098101000777
केनरा बैंक, IFSC - CNRB 0001098 MICR - 110015025

'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा' खाता सं. 910010008984897
एक्सिज बैंक, IFSC - UTIB0000223 MICR - 110211025

'आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड' - खाता सं. 0649201001 2620
ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स, देहरादून, IFSC - ORBC 0100 649

विशेष : जो सज्जन/संस्थाएं अपनी दान राशि पर आयकर छूट चाहते हैं वे अपनी राशि दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के नाम सभा के उपरोक्त बैंक खाते में जमा कराएं। कृपया अपनी दान राशि जमा करने के बाद तत्काल **मो. 9540040339 पर श्री विजय आर्य को सूचित** करके aryasabha@yahoo.com तथा dapsvijayarya@gmail.com पर डिपोजिट स्लिप ईमेल करें ताकि उन्हें रसीद भेजी जा सके।

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड के खाते में राशि जमा कराने वाले सज्जन कृपया अपनी दान राशि जमा करने के बाद तत्काल मो. 9760195053 पर श्री पृथ्वीराज आर्य को सूचित करें ताकि रसीद जारी की जा सके।

– विनय आर्य, महामन्त्री

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का वैदिक प्रकाशन विभाग

प्रकाशित वैदिक साहित्य पर भारी छूट

अनु.	साहित्य	मूल्य
1.	सत्यार्थ प्रकाश 18 भाषाओं में (सीडी)	30/–
2.	महर्षि दयानन्द के सम्पूर्ण ग्रन्थ (सीडी)	30/–
3.	शेख चिल्ली और लाल बुजक्कड (सीडी)	30/–
4.	पारिवारिक सुखशान्ति एवं समृद्धि के लिये यज्ञ करें (सीडी)	30/–
5.	गुरुदेव दयानन्द (सीडी)	30/–
6.	सत्य की राह (सीडी)	30/–
7.	अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की 5 सी.डी. का सैट	100/–
8.	वैदिक विनय	150/–
9.	गुरुदत्त विद्यार्थी – हिन्दी / अंग्रेजी	80/–
10.	दयानन्द लघुग्रंथ सग्रंह	70/–
11.	उपनिषदों की कहानियाँ	60/–
12.	शगुन लिफाफा सिक्केवाला	400/– सैंकड़ा
13.	शगुन लिफाफा बिना सिक्केवाला	300/– सैंकड़ा
13.	नैतिक शिक्षा एवं व्यवहार कुशलता	200/–
14.	नेम स्लिप (1×21)	10/–
15.	समस्त कॉमिक्स	25 से 35/–
16.	अनुपम दिनचर्या एवं गीताञ्जलि	50/–
17.	वेद भाष्य (घूड़मल प्रकाशन)	5000/–
19.	सत्यार्थ प्रकाश (अजिल्द)	40/–
	सत्यार्थ प्रकाश (सजिल्द)	80/–
	सत्यार्थ प्रकाश (स्थूलाक्षर)	150/–

सभा द्वारा प्रकाशित साहित्य पर 20 % छूट।
अन्य प्रकाशनों के साहित्य पर 10% की छूट।

ओ३म्

भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण (द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)

सत्य के प्रचारार्थ

सत्यार्थ प्रकाश

सत्य के प्रचारार्थ

• प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
• विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
• स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन

कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के अन्तर्गत आर्य विद्या सभा दिल्ली के तत्त्वावधान में

वार्षिक खेल-कूद एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन

नाम प्रतियोगिता	दिन/दिनांक/समय	स्थान	विवरण/विषय/वर्ग	सम्पर्क
भाषण प्रतियोगिता	मंगलवार 17 सितम्बर प्रात: 9 बजे	**आर्य वीर मॉडल स्कूल** बादली, दिल्ली-110042 **नोट :** एक विद्यालय से एक ही प्रतिभागी भाग लेगा। भाषण 3 मिनट का होगा।	वर्ग -1 बाल वर्ग (कक्षा 1 से 5 तक) विषय : आदर्श विद्यार्थी वर्ग -2 कनिष्ठ वर्ग (कक्षा 6 से 8) विषय : महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की राष्ट्र को देन वर्ग - 3 वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9 से 12 तक) विषय : जीवन में संस्कारों का महत्त्व	प्रबन्धक: महेन्द्रपाल मनचन्दा प्रधानाचार्या : उर्मिला मनचन्दा (011-64543030)
एकांकी प्रतियोगिता	गुरुवार 26 सितम्बर प्रात: 9 बजे से	**आर्य मॉडल स्कूल,** आर्यसमाज आदर्श नगर दिल्ली-110033	विषय : आर्य महापुरुषों के जीवन के प्रेरक प्रसंग पर आधारित नियम : 1. एक विद्यालय से एक टीम भाग लेगी। 2. वेशभूषा प्रसंग के अनुरुप होना आवश्यक है। 3. प्रतियोगियों की संख्या अधिकतम 15 तक हो। 4. वाद्ययंत्रों का प्रयोग किया जा सकता है	अध्यक्ष : ओम प्रकाश चुघ (9811679226) प्रबन्धक : प्रकाशवीर बत्रा (9818280184) प्रधानाचार्या : प्रोमिला सिंह (8860494523)
खेल-कूद प्रतियोगिताएं	सोमवार 29 सितम्बर से शनिवार 5 अक्तूबर	**एस. एम. आर्य प. स्कूल** पश्चिमी पंजाबी बाग नई दिल्ली-110026	विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं की सूचना अलग से भेजी जाएगी व प्रकाशित होगी। प्रबन्धक : अरविन्द नागपाल (9212130210)	अध्यक्ष : सत्यानन्द आर्य (9313923155) प्रधानाचार्या : अंजलि कोहली (9212700374)

दिल्ली के समस्त शिक्षण संस्थानों, गुरुकुलों एवं विद्यालय के अधिकारियों से निवेदन है कि अपने यहां से अधिकाधिक विद्यार्थियों को इस प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

-: निवेदक :-

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्य विद्या परिषद् दिल्ली के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण

आर्यसमाज के गीतों को बनाएं अपनी मोबाइल ट्यून (CallerTunes)

आर्यसमाज के गीतों को अपनी मोबाइल ट्यून बनाने के लिए आज ही डाउनलॉड करें और अन्य महानुभावों को भी प्रेरित करें।

Sr.	Song Title	Voda	Idea	Airtel	Tata CDMA	Tata Doco	BSNL (North)	MTS
1	आई फौज दयानन्द वाली	10444132	720080	543211007382	376609	254930	173340	77772509
2	ये प्रभु हम तुम से	10444133	720084	543211007383	376614	254931	173341	77772510
3	होता है सारे देश का	10444134	720081	543211007384	376615	254932	173342	77772511
4	हम को सब दुनिया जाने	10444135	720082	543211007385	376616	254933	173343	
5	जो होली सो होली	10444136	720090	543211007386	376622	254934	173344	77772512
6	पूजनीय प्रभु हमारे	10444137	720105	543211007387	376629	255260	173345	77772513
7	सुनो-सुनो ये दुनिया वालो	10444138	720115	543211007388	376639	254935	173346	77772514
8	यूँ तो कितने ही महापुरुष	10444139	720111	543211007389	376644	254936	173347	77772515
9	दिल्ली चलो (सम्मेलन गीत)			543211462723			1721306	

Voda- SMS "CT code"send to 56789 Idea- SMS "DT Code"send to 55456 Airtel- Dial Code and Say " YES" Tata cdma- SMS "Wtcode" send to 12800 Tata docomo- SMS "CT code" to 543211 BSNL- SMS "BT code" send to 56700 MTS- SMS "CT code" send to55777

उदाहरण के तौर पर आपके पास Idea का कनेक्शन है और आप "Aai Fauj Dayaanand Wali" गीत की धुन अपने Idea मोबाईल पर कॉलर ट्यून बनाना चाहते हैं, तो आप गीत के DT 720080 को टाईप कर इस नंबर 55456 पर एसएमएस करें।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2012 दिल्ली के अवसर पर घोषित

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-डरबन (दक्षिण अफ्रीका)

(विश्व वेद सम्मेलन) 28, 29, 30 नवम्बर एवं 1 दिसम्बर, 2013

सम्मानीय आर्य बन्धुओं! सादर नमस्ते!

आपको यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि **सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली** एवं **आर्य प्रतिनिधि सभा दक्षिण अफ्रीका** के तत्त्वावधान में इस वर्ष **अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 28, 29, 30 नवम्बर एवं 1 दिसम्बर, 2013 को द. अफ्रीका की राजधानी डरबन में** सम्पन्न होने जा रहा है। इस सम्मेलन में सम्मिलित होने के लिए अनेक देशों के प्रतिनिधि डरबन पहुंच रहे हैं। भारतवर्ष से भी इस सम्मेलन में भाग लेने हेतु बड़ी संख्या में आर्यजन पहुंचेंगे।

सभी इच्छुक आर्यजन जो इस सम्मेलन में भाग लेने जाना चाहते हैं वे सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली के माध्यम से भाग ले सकेंगे। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के द्वारा स्वीकृत सदस्यों को ही द. अफ्रीका आर्य प्रतिनिधि सभा अपने यहां प्रतिनिधि के रूप में स्वीकार कर उनकी व्यवस्था करेगी। अनेकों आर्यजन डरबन सम्मेलन के इस अवसर पर दक्षिण अफ्रीका महाद्वीप का भ्रमण भी करना चाहते हैं, इस कारण उनकी भावनाओं को ध्यान में रखते हुए डरबन के अतिरिक्त द. अफ्रीका के अन्य स्मरणीय एवं महत्त्वपूर्ण शहरों की यात्रा का भी कार्यक्रम बनाया गया है।

विस्तृत जानकारी/यात्रा विवरण/आवेदन पत्र हमारी वैबसाइट www.thearyasamaj.org से डाउनलॉड किए जा सकते हैं।

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 2 सितम्बर, 2013 से रविवार 8 सितम्बर, 2013

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान् रोड, नई दिल्ली–110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)–11/6071/2012–13–14

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 05/06 सितम्बर, 2013

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं0 यू0(सी0) 139/2012–14

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 4 सितम्बर, 2013

प्रतिष्ठा में,

भारत की आर्थिक स्थिति डावाँडोल : रुपये का डॉलर के मुकाबले जबरदस्त अवमूल्यन

भारत के प्रत्येक निवासी को अपना कर्त्तव्य निभाना होगा

आओं आज से शुरूआत करें : सप्ताह में एक दिन निजी वाहन के स्थान पर सार्वजनिक वाहन का उपयोग करें – आर्य समाज का आह्वान

"देश के निरन्तर बिगड़ते आर्थिक हालात डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य मे जबरदस्त गिरावट आना देश के भुगतान संतुलन बिगड़ जाना एक भयावह भविष्य अथवा संकेत है। ऐसी स्थिति मे हमें सभी देशवासियों को कुछ-न-कुछ योगदान करना होगा अन्यथा सैनिक गुलामी से आर्थिक गुलामी कही अधिक हानिकर सिद्ध होती है। स्थिति की भयावयता को इस रूप मे भी देखा जा सकता है। सरकार धार्मिक मन्दिरों के खजाने को गिरवी रखने की बात करने लगी है। ऐसी स्थिति में हमे अपना कर्त्तव्य निभाना होगा।" ये विचार सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान आचार्य श्री बलदेव जी ने देशवासियों के विचारार्थ प्रस्तुत किये। उन्होंने कहा कि अगले 6 महीनों के लिये यह संकल्प ले कि सप्ताह मे एक दिन निजी वाहन का प्रयोग न करके सार्वजनिक बस, ट्रेन आदि का सहारा लेंगे।

चीन एवं अन्य देश से आने वाले समान की कम-से-कम खरीदारी करेंगे अथवा ना ही करेंगे।

विवाह समारोह, सार्वजनिक उत्सवों आदि में दिखावा न करते हुए कम-से-कम धन का प्रयोग करेंगे तथा इन उत्सवों मे भोजन आदि के लिए किसी भी विदेशी समान का उपयोग वर्जित रखेंगे।

उन्होंने कहा कि यदि हम सब लोग इन प्रस्तावों पर मिलकर कार्य करते है तो निश्चित रूप से हमे अपना योगदान देश को आर्थिक संकट से बचाने के लिए अवश्य दे पायेंगे। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के मन्त्री श्री विनय आर्य जी ने दिल्ली की समस्त जनता से आह्वान किया कि वे अवश्य ही इन बातों का ध्यान रखें। **विशेष : सभी आर्यसमाजों, आर्यसंस्थाओं एवं आर्यजनों से निवेदन है कि इस विचार को अपने साप्ताहिक सत्संग में प्रस्तुत करके प्रत्येक आर्यजन तक पहुचांए तथा पत्रकों के माध्यम से जन-साधारण को प्रेरित करने का कार्य करें।**

नेमस्लिप्स

विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को महर्षि दयानन्द जी के बारे में जानकारी देने तथा उन्हें आर्यसमाज की ओर आकर्षित करने की छोटी सी शुरुआत : कापी-किताबों पर चिपकाने के लिए नेमस्लिप्स। 21 स्लिप्स का एक सैट मात्र 10/- रुपये प्रति शीट।

माता कमला आर्या धर्मार्थ ट्रस्ट के सहयोग से

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा प्रकाशित

वैदिक विनय

मात्र 125/- रुपये

प्राप्ति हेतु संपर्क करें।

-: प्राप्ति स्थान : -

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

15 हनुमान रोड,नई दिल्ली

सम्पादक, मुद्रक एवं प्रकाशक ब्र0 राजसिंह आर्य ने दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए सार्वदेशिक प्रेस, 1488 पटौदी हाऊस, दरियागंज, नई दिल्ली–2 से छपवाकर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान रोड, नई दिल्ली–1; टैलीफैक्स : 23360150; 23365959; IVRS : 011-23488888 E-mail : aryasabha@yahoo.com से प्रकाशित किया।

सम्पादक : ब्र0 राजसिंह आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ0 ओमप्रकाश भटनागर